सौर ऊर्जा के उपभोग में अयोध्या का प्रदेश में बजने वाला है डंका

केंद्र सरकार की ओर से अब सिर्फ घोषणा ही की जानी बाकी

जासं●अयोध्याः सौर ऊर्जा के उपभोग के मामले में अयोध्या नगर निगम का प्रदेश में डंका बजने वाला है। केंद्र सरकार की घोषणा के बाद अयोध्या प्रदेश का पहला सोलर सिटी बन जाएगा। महानगर में खपत के सापेक्ष एक चौथाई बिजली सोलर पैनल से उत्पादित की जा रही है। सौर ऊर्जा के उपयोग की दिशा में यह उसकी बड़ी छलांग है।

तिहुरा माझा में एनटीपीसी के सोलर प्लांट का पैनल● जागरण

महानगर की बिजली की आवश्यकता के लिए कोयले से उत्पादित बिजली से उत्सर्जित कार्बन डाइआक्साइड की मात्रा में प्रतिवर्ष 74 हजार 460 टन की कमी आयी है जो पृथ्वी की सेहत के लिए बहुत उत्साहजनक है। ग्लोबल वार्मिंग से निपटने के लिए सोलर ऊर्जा ही सबसे सुरक्षित विकल्प है। यह कहना है नेडा के परियोजना अधिकारी प्रवीणनाथ पांडेय का वह सोलर ऊर्जा के फायदे एक सांस में गिनाने लगते हैं। बोले, पीएम-सूर्य घर मुफ्त योजना के प्रति भी लोगों में दिलचस्पी बढ़ी है। एनटीपीसी ने माझा तिहुरा में 40 मेगावाट का सोलर प्लांट लगा रखा है। तमाम सरकारी व गैर सरकारी संस्थान सोलर पैनल लगा कर बिजली का उत्पादन करने में लगे हैं जिससे सोलर सिटी बनाने का लक्ष्य हासिल करना आसान हुआ। आने वाले कुछ महीनों में महानगर के कुल लोड की एक तिहाई बिजली सोलर पैनलों से उत्पादित होगी। सरकारी कार्यालयों में ही नहीं घरों की छत पर भी सोलर पैनल दिखने लगे हैं।

सोलर सिटी का मानक

सोलर सिटी के लिए भारत सरकार का मानक कुल खपत का 10 प्रतिशत सोलर ऊर्जा से उत्पादित होना है। महानगर में 436.29 मिलियन यूनिट प्रति वर्ष बिजली की खपत है, जिसके सापेक्ष लक्ष्य का 10 प्रतिशत ही नहीं 26 प्रतिशत का योगदान सौर ऊर्जा का है। आने वाले दिनों में इसके उत्पादन में और उछाल आने की संभावना है।